MODEL PAPER

कक्षा–XI

दर्शनशास्त्र (PHILOSOPHY)

समय : 3 घंटे + 15 मिनट (अतिरिक्त)] **[पूर्णांक : 100**

Time : 3 Hrs. + 15 Minute (Extra)] [Total Marks : 100

सामान्य निर्देश (General Instructions) :

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । (All Questions are compulsory)
- गलत उत्तर के लिए किसी तरह की कटौती नहीं होगी। (There is ***No negative marking*** for any wrong answer.)
- प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है । (Questions are in two sections)

खण्ड– I (SECTION-I)
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	–	**40**
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	–	**35**

खण्ड– II (SECTION-II)
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	–	**60**
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer type)	–	**10 (प्रत्येक 3 अंक)**
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer type)	–	**05 (प्रत्येक 6 अंक)**

4. कुछ दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं । आप वैसे प्रश्नों में उपलब्ध विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का ही उत्तर दें ।
(There are internal options is some of the long answer type questions. In such questions you have to answer any one of the alternative.)

5. यथासंभव सभी प्रश्नों का उत्तर अपनी ही भाषा में दें ।
(Answer should be in your own language.)

6. परीक्षा के दौरान कलकुलेटर सहित किसी भी तरह का इलेक्ट्रॉनिक संयंत्र (यथा मोबाइल, पेजर इत्यादि) का प्रयोग सर्वथा वर्जित है ।
(No electronic gadgets like calculator, call phone, pager are allowed during exam.)

7. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उत्तर दिए गए ओ॰ एम॰ आर॰ सीट में उपयुक्त विकल्प को नीले या काले पेन से पूरी तरह भर कर दें । (उदाहरण के लिए यदि उत्तर (c) हो तो नीले या काले पेन से ऐसे चिह्नित करें
(The answer of objective type question is to be given on supplied OMR sheet by completely darking the appropriate answer option. For exmple if answer is (c) the you should fill it as shown by blue/black pen.

(a) (b) (●) (d)

❑❑❑

MODEL SET–I

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (OBJECTIVE QUESTIONS)

निर्देश : प्र॰ सं॰ 1 से 25 तक के प्रश्नों में चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है । सही विकल्प को उत्तर तालिका में चिह्नित करें । **1 × 25 = 25**

1. विज्ञान के निष्कर्ष है :
   (a) आत्मनिष्ठ (b) वस्तुनिष्ठ (c) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
2. वैज्ञानिक विधि आधारित है :
   (a) तर्क और प्रमाण पर (b) आत्म-प्रत्यक्ष पर
   (c) सुव्यवस्थित अध्ययन पर (d) कुछ विशिष्ट सिद्धान्तों पर
3. आगमन में निम्न सत्य की स्थापना की जाती है :
   (a) आकारिक सत्य की (b) कुछ विशिष्ट सिद्धान्तों पर आधारित सत्य की
   (c) दोनों सत्य की (d) शुद्धता की
4. सामाजिक विज्ञानों में व्याख्याओं का प्रयोग होता है :
   (a) प्रयोजनात्मक व्याख्या (b) प्रकार्यात्मक व्याख्या
   (c) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
5. प्रयोग और निरीक्षण में असमानता है :
   (a) उद्देश्य को लेकर (b) क्षेत्र को लेकर
   (c) उद्देश्य तथा क्षेत्र दोनों को लेकर (d) विचारों को लेकर
6. हम इच्छा तथा उपयोगिता के अनुसार घटनाओं को उपस्थित कर अध्ययन करते हैं :
   (a) प्रयोग में (b) निरीक्षण में
   (c) दोनों में (d) उपर्युक्त में से किसी में नहीं
7. हम घटना को देखते हैं परन्तु उसके वास्तविक रूप को जानने में भूल करते हैं । यह निरीक्षण के किस दोष के अन्तर्गत आता है :
   (a) अनिरीक्षण का दोष (b) गलत निरीक्षण का दोष
   (c) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
8. निम्न में से कौन वैज्ञानिक प्राक्कलपना का शर्त्त नहीं है :
   (a) सत्यापनीयता (b) भविष्यवक्तव्यवता (c) क्रियाशीलता (d) सरलता
9. कल्पना को साधारणत: किस प्रकार के सत्यों का विरोधी नहीं होना चाहिए ?
   (a) पूर्वस्थापित (b) स्थापित (c) प्रस्तावित (d) अप्रस्तावित
10. यथार्थ कल्पना को किस पर आधारित होना चाहिए ?
    (a) वास्तविकता (b) अवास्तविकता (c) अंशव्यापी (d) पूर्णव्यापी
11. कल्पना को किसके योग्य होना चाहिए ?
    (a) व्याख्या (b) विश्लेषण (c) वर्गीकरण (d) परीक्षा

12. मिल की किस विधि में मात्र दो उदाहरणों से काम चल जाता है ?

(a) व्यतिरेक तथा अवशेष विधि (b) संयुक्त अन्वय विधि

(c) दोनों में (d) उपर्युक्त में से किसी में नहीं

13. मिल की प्रयोगात्मक विधियों का उद्देश्य है ?

(a) निश्चित एवं सही कारण की ओर जाना (b) प्रकृति समरूपता सिद्धान्त का विश्लेषण

(c) प्रयोगात्मक विधि की महत्ता सिद्ध करना (d) वैचारिक निष्कर्ष निकालना

14. मिल की किस विधि में भावात्मक तथा अभावात्मक दोनों प्रकार का उदाहरण लिया जाता है ?

(a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि (c) अवशेष विधि (d) सहचारी विधि

15. मिल साहब की प्रयोगात्मक विधियों की संख्या कितनी है ?

(a) पाँच (b) चार (c) दस (d) छः

16. तर्कशास्त्र का विषय है :

(a) प्रत्यक्ष (b) शब्द (c) ज्ञान (d) अनुमान

17. तर्कशास्त्र के कार्य हैं :

(a) सृजनात्मक (b) सुधारात्मक (c) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र में सत्यता का सम्बन्ध है :

(a) युक्ति से (b) अनुमान से (c) प्राक्कल्पना से (d) तर्कवाक्य से

19. किसी पद की वस्तुवाचकता है :

(a) उसका विस्तार (b) उसका गुण

(c) खास वस्तु-बोध (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. तर्कवाक्य का अध्ययन होता है :

(a) दर्शनशास्त्र में (b) तत्त्वमीमांसा में (c) अनुमान में (d) तर्कशास्त्र में

21. तर्कवाक्य में किसकी अभिव्यक्ति होती है :

(a) निर्णय (b) भावनाएँ (c) संकल्प (d) उपर्युक्त सभी

22. न्याय के निष्कर्ष के उद्देश्य को कहते हैं ?

(a) वृहत् पद (b) लघु पद (c) मध्यवर्त्ती पद (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. वैकल्पिक निरपेक्ष न्याय का वृहत् वाक्य होता है :

(a) वैकल्पिक (b) निरपेक्ष (c) हेत्वाश्रित (d) उपर्युक्त सभी

24. यदि किसी न्याय का वृहत् वाक्य अंशव्यापी हो और लघु वाक्य निषेधात्मक हो, तो

(a) सही निष्कर्ष होगा (b) सही निष्कर्ष नहीं होगा

(c) दोनों प्रकार का निष्कर्ष होगा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं होगा

25. बौद्ध परम्परा में सुव्यवस्थित प्रमाणों का प्रतिपादन होता है :

(a) वैभाषिक परम्परा (b) सौत्रान्तिक परम्परा (c) पूर्व परम्परा (d) नागार्जुन से

निर्देश : प्रश्न संख्या 26 से 30 तक निम्नांकित तर्क कथनों की कसौटी पर जाँच कर किसी एक विकल्प को उत्तर में लिखें।

$1 \times 5 = 5$

(a) यदि दोनों कथन सही हैं तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या है ।

(b) यदि दोनों कथन सही है तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या नहीं है ।

(c) यदि कथन–I सही है, तो कथन–II असत्य है ।

(d) यदि कथन–I असत्य है, तो कथन–II सही है ।

26. कथन–I : पूर्ववर्त्ती अनुवर्त्ती का कारण होता है ।

कथन–II : कारण-कार्य में अनिवार्य सम्बन्ध है ।

27. कथन–I : द्विविद्या शुद्ध न्याय का रूप है ।

कथन–II : इसका वृहद्वाक्य दो हेत्वाश्रित वाक्यों का योग होता है ।

28. कथन–I : संयुक्त अन्वय व्यतिरेक विधि में भावात्मक तथा अभावात्मक उदाहरण के लिए जाते हैं ।

कथन–II : दर्शनशास्त्र में इसका महत्त्वपूर्ण स्थान है ।

29. कथन–I : P. 9 में संयोजन सत्यता फलनीय यौगिक प्रकथन है ।

कथन–II : यह यौगिक प्रकथन सभी स्थितियों में सत्य होता है ।

30. कथन–I : बौद्ध ज्ञान मीमांसा क्षणभंगुरता व नि:स्वभावता पर आधारित है ।

कथन–II : इसमें शब्द व उपमान प्रमाण पर गहन चिन्तन हुआ है ।

निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 34 तक में दो कॉलम दिए गए हैं। दोनों कॉलम में मिलान करते हुए सही उत्तर लिखें।

$1 \times 4 = 4$

	कॉलम–I		**कॉलम–II**
31.	व्याघातक तर्कवाक्यों के बीच विरोध होता है	(a)	वृहद् वाक्य वैकल्पिक एवं लघुवाक्य व निष्कर्ष-निरपेक्ष
32.	संयोजक का कार्य है	(b)	समुचित व्याख्या करने की क्षमता
33.	वैकल्पिक निरपेक्ष न्याय में होता है	(c)	उद्देश्य तथा विधेय के बीच सम्बन्ध स्थापना
34.	यर्थाथ कल्पना में होनी चाहिए	(d)	गुण तथा परिमाण दोनों का

निर्देश : प्रश्न संख्या 35 में दिए गए उद्धरण को ध्यान से पढ़े और उसी के आधार पर दिए गए तीनों प्रश्नों का उत्तर विकल्प से चुनकर दें । **$2 \times 3 = 6$**

35. तर्कशास्त्र में 'न्याय' का स्थान महत्त्वपूर्ण है । न्याय में 'आकार' एवं 'योग' महत्त्वपूर्ण है । आकार न्याय का वह रूप है जो मध्यवर्ती पद के स्थान से निश्चित होता है । आकार चार प्रकार का होता है । प्रथम आकार में मध्यवर्ती पद वृहदवाक्य में उद्देश्य के स्थान पर तथा लघुवाक्य में विधेय के स्थान पर रहता है । द्वितीय आकार में वृहद् तथा लघुवाक्य दोनों में मध्यवर्त्ती पद विधेय का स्थान पर रहता है । तृतीय आकार में मध्यवर्ती पद वृहद् तथा लघु वाक्य दोनों में उद्देश्य के स्थान पर रहता है । चतुर्थ आकार में यह मध्यवर्ती पद वृहद् वाक्य में विधेय के स्थान पर तथा लघुवाक्य उद्देश्य के स्थान पर रहता है ।

I. न्याय के सभी आधार वाक्यों के आकारों में निम्न पद का होना अनिवार्य है :

(a) लघु पद (b) वृहद् पद

(c) मध्यवर्त्ती पद (d) उपर्युक्त सभी पदों का

II. मध्यवर्ती पद दोनों आधार वाक्यों में विधेय के स्थान पर होता है :

(a) द्वितीय आकार में (b) चतुर्थ आकार में

(c) प्रथम आकार में (d) सभी में

III. आकार न्याय का वह रूप है जो :

(a) वृहद्पद के स्थान से निश्चित होता है (b) लघुपद के स्थान से निश्चित होता है

(c) मध्यवर्ती के स्थान से निश्चित होता है (d) उपर्युक्त सभी से

अथवा,

निर्देश : प्रश्न संख्या 35 में प्रश्नों के लिए दिए गए विकल्पों में से दा या अधिक सही विकल्प दिए गए है। विकल्पों में कौन-कौन से सही है :-

I. तार्किक वाक्य का स्वरूप होता है :

(a) पूर्णव्यापी व अंशव्यापी (b) विज्ञान व कला परक

(c) भावात्मक तथा निषेधात्मक (d) नवीन व शोध परक

II. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र में बैद्धता का संबंध है :

(a) युक्ति से (b) तर्कवाक्य से

(c) युक्ति के नियमों से (d) निगमन तर्कशास्त्र से

I. सामाजिक विज्ञानों की विधियाँ हो सकती हैं :

(a) प्राकृतिक विधियाँ (b) वैज्ञानिक विधियाँ

(c) कलात्मक (d) विवेकपूर्ण विधि

SECTION–II

गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (NON-OBJECTIVE QUESTIONS)

लघुउत्तरीय प्रश्न (Short Questions) :

निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 10 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इस कोटि के प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित हैं : **3 × 10 = 30**

1. तर्कशास्त्र मानव जीवन में किस प्रकार प्रासंगिक है? बतायें ।
2. पद की परिभाषा दें तथा बतायें कि यह किस प्रकार शब्द से भिन्न है ?
3. परिमाण के अनुसार तर्कवाक्य का वर्गीकरण करते हुए उसके उदाहरण प्रस्तुत करें ।
4. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र तथा पारम्परिक तर्कशास्त्र के बीच के सम्बन्ध को बतायें ।
5. हेत्वाश्रित निरपेक्ष न्याय के नियमों को लिखिए ।
6. बौद्ध दर्शन के अनुमान प्रमाण की व्याख्या कीजिए ।
7. अवशेष विधि क्या है ? उदाहरण दीजिए ।
8. भारतीय दर्शन में वर्णीत मुख्य प्रमाणों की संख्या तथा उसका नाम लिखिए ।
9. वैज्ञानिक विधि की विशेषताओं को बतायें ।
10. प्रयोग तथा प्रेक्षण की बीच के मुख्य अन्तर को लिखें ।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (Long Questions) :

निर्देश : प्रश्न संख्या 11 से 15 तक के प्रत्येक छः अंक के हैं। **5 × 6 = 30**

11. वैज्ञानिक आगमन की विशेषताओं को लिखिए ।
12. अन्वय विधि क्या है ? इसके गुण व दोष को व्यक्त कीजिए ।
13. प्रेक्षण के दोषों पर एक विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।
14. वैकल्पिक निरपेक्ष न्याय क्या है ? इसके नियमों व दोषों को व्यक्त कीजिए ।
15. बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रमाण विवेचन की व्याख्या कीजिए ।

— : उत्तर : —

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (b)	2. (a)	3. (c)	4. (c)	5. (b)
6. (a)	7. (b)	8. (c)	9. (a)	10. (a)
11. (d)	12. (a)	13. (a)	14. (b)	15. (a)
16. (d)	17. (b)	18. (d)	19. (a)	20. (d)
21. (a)	22. (b)	23. (a)	24. (b)	25. (b)
26. (a)	27. (d)	28. (b)	29. (c)	30. (c)
31. (d)	32. (c)	33. (a)	34. (b)	35. I. (a, c), II. (a, c), III. (a,b)

35. Or, I. (d), II. (a), III. (c)

MODEL SET—II

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (OBJECTIVE QUESTIONS)

निर्देश : प्र॰ सं॰ 1 से 25 तक के प्रश्नों में चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है । सही विकल्प को उत्तर तालिका में चिह्नित करें । **1 × 25 = 25**

1. वैज्ञानिक आगमन तथा सरल गणनात्मक आगमन के बीच महत्वपूर्ण अभाव अन्तर है :
   (a) समरूपता निमय का (b) कारण कार्य नियम का (c) वैज्ञानिकता का (d) उपर्युक्त सभी का
2. वैज्ञानिक पद्धति है :
   (a) वर्णनात्मक (b) तार्किक–बौद्धिक (c) सुव्यवस्थित (d) शोध–परक
3. प्राकृतिक और वैज्ञानिक विधि में निम्न को लेकर अन्तर है :
   (a) भेद को (b) पद्धति को (c) तात्त्विकता को (d) उपर्युक्त सभी को
4. प्रेषण को कहा जाता है :
   (a) चयनात्मक क्रिया (b) प्रायोगिक क्रिया (c) सामान्यीकरण (d) उपर्युक्त सभी
5. निरीक्षण तथा प्रयोग दोनों हैं :
   (a) आगमन का आकारिक आधार (b) आगमन का वास्तविक आधार
   (c) निगमन की विशेषता (d) प्राकृतिक घटनाओं का अध्ययन कर्त्ता
6. प्राक्कल्पना की संपुष्टि का महत्त्वपूर्ण शर्त्त है :
   (a) उसे अप्रत्याशित या नवीन निष्कर्षों के माध्यम से सत्यापित होना चाहिए
   (b) सर्वमान्य होना चाहिए
   (c) सैद्धान्तिक होना चाहिए (d) उपर्युक्त सभी होना चाहिए
7. कल्पना को साधारणत: निम्न सत्य के विरोध में नहीं होना चाहिए :
   (a) पूर्व स्थापित (b) स्थापित (c) प्रस्तावित (d) अप्रस्तावित
8. जैसे–जैसे चाय में चीनी डाली जाती है, वैसे–वैसे मिठास बढ़ती जाती है । इसलीए चीनी मिठास का कारण है । यह किस विधि का उदाहरण है ?
   (a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि
   (c) संयुक्त अन्वय–व्यतिरेक विधि (d) सहचारी परिवर्त्तन विधि
9. बहुकारणवाद का किस विधि में डर नहीं रहता है :
   (a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि
   (c) संयुक्त अन्वय–व्यतिरेक विधि (d) अवशेष विधि
10. प्रयोगात्मक विधि को किस प्रकार की विधि कहते हैं :
    (a) अनुसंधान की विधि (b) कारण कार्य की विधि
    (c) निरीक्षण की विधि (d) प्रयोग की विधि
11. ज्ञान के दो प्रमुख भेद हैं :
    (a) प्रमाण और प्रमेय (b) प्रमा और अप्रमा
    (c) विशेष व अविशेष (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12. न्याय दर्शन में प्रमा के भेद हैं :
(a) दस (b) छः (c) चार (d) तीन

13. तर्कशास्त्र है :
(a) कला (b) विज्ञान (c) कला तथा विज्ञान (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. तर्कशास्त्र शाखा है :
(a) समग्र ज्ञान का (b) दर्शनशास्त्र का (c) नीतिशास्त्र का (d) गणित का

15. वैधता तथा अवैधता विशेषतायें हैं :
(a) तर्कवाक्यों की (b) पदों की (c) निष्कर्ष की (d) युक्ति की

16. जब पदों की गुणवाचकता बढ़ती है तो :
(a) वस्तुवाचकता घटती है (b) वस्तुवाचकता बढ़ती है (c) संतुलित रहती है (d) तीनों होती है

17. पूर्ण व्यापी तर्कवाक्यों के प्रतीक चिह्न हैं :
(a) I, O (b) A, E (c) A, I (d) E, I

18. तर्कवाक्य का संयोजन होता है :
(a) वर्तमान काल में (b) भूतकाल में (c) भविष्यत् काल में (d) तीनों कालों में

19. पूर्णव्यापी भावात्मक तर्कवाक्य तथा अंशव्यापी निषेधात्मक तर्कवाक्य में सम्बन्ध है :
(a) विपरीत (b) उपाश्रित (c) अनुविपरीत (d) व्याघातक

20. आकार न्याय का वह रूप है जो निम्न पद के स्थान से निश्चित होता है :
(a) लघु पद (b) वृहद् पद (c) मध्यवर्ती पद (d) तीनों

21. द्विविद्या का वृहद् वाक्य दो वाक्यों का योग होता है :
(a) वैकल्पिक (b) हेत्वाश्रित (c) निरपेक्ष (d) सापेक्ष

22. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र पारम्परिक तर्कशास्त्र को प्रदान करता है :
(a) खण्डन व विरोध का रूप (b) समर्थन का रूप
(c) दोनों रूप (d) संशोधित, विकसित तथा वैज्ञानिक रूप

23. किसी प्रकथन की सत्यता–असत्यका का सत्यता–मूल्य निर्धारित होता है :
(a) वैधता-अवैधता पर (b) वैज्ञानिक मानदण्डों पर
(c) प्रकथन के सत्य-असत्य पर (d) उपर्युक्त सभी पर

24. बौद्ध परम्परा में सुव्यवस्थित प्रमाणों का प्रतिपादन होता है :
(a) वैभाषिक परम्परा से (b) सौत्रान्तिक परम्परा से
(c) पूर्व परम्परा से (d) नागार्जुन से

25. बौद्ध न्याय किस प्रमाण का प्रतिपादन नहीं करता है ?
(a) प्रत्यक्ष (b) अनुमान (c) दोनों का (d) उपमान

निर्देश : प्रश्न संख्या 26 से 30 तक दो वक्तव्य हैं । एक को 'कथन' A तथा दूसरे को कारण R कहा गया है । आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है तथा दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करना है।

$1 \times 5 = 5$

(a) यदि दोनों कथन सही हैं तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या है ।

(b) यदि दोनों कथन सही है तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या नहीं है ।

(c) यदि कथन–I सही है, तो कथन–II असत्य है ।

(d) यदि कथन–I असत्य है, तो कथन–II सही है ।

26. कथन–I : चार्वाक दर्शन की कोई तत्त्वमीमांसा नहीं है ।
कथन–II : क्योंकि वह मात्र प्रत्यक्ष प्रमाण में विश्वास करता है ।

27. कथन–I : तर्कवाक्य का वर्गीकरण गुण तथा परिमाण के अनुसार होता है ।
कथन–II : क्योंकि यह अनुमान की सही व्याख्या करता है ।

28. कथन–I : सरल गुणानात्मक आगमन में प्रकृति समरूपता नियम कारण-कार्य नियम के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाता है ।
कथन–II : क्योंकि यह अवैज्ञानिक आगमन है ।

29. कथन–I : न्याय के आधार वाक्यों में मध्यवर्ती पद का होना आवश्यक है ।
कथन–II : परन्तु इसमें पदों की संख्या सुनिश्चित नहीं होती है ।

30. कथन–I : कल्पना किसी घटना या तथ्य की व्याख्या करने का प्रयत्न है ।
कथन–II : क्योंकि यह आगमन का वास्तविक आधार है ।

निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 34 तक में दो कॉलम दिए गए हैं। दोनों कॉलम में मिलान करते हुए सही उत्तर लिखें।

$1 \times 4 = 4$

	कॉलम–I	**कॉलम–II**
31.	शुद्ध न्याय वह है जिसमें	(a) अनुमान का अध्ययन होता है ।
32.	तर्कशास्त्र ऐसा विषय है जिसमें	(b) सम्बन्ध की दृष्टि से वाक्य एक प्रकार के होते हैं ।
33.	आगमन तर्कशास्त्र का निष्कर्ष	(c) सत्यता-असत्यता को सुनिश्चित नहीं करता ।
34.	युक्ति की वैद्यता निष्कर्ष की	(d) वास्तविक सत्यता से सम्बन्धित है ।

निर्देश : प्रश्न संख्या 35 में दिए गए उद्धरण को ध्यान से पढ़े और उसी के आधार पर दिए गए तीनों प्रश्नों का उत्तर विकल्प से चुनकर दें । **$2 \times 3 = 6$**

35. उद्देश्य तथा विधेय के बीच सम्बन्ध स्थापित करने वाला 'संयोजक' कहलाता है । संयोजक संख्या में छः है—Is, is not, am, am not, are, are not (है, नहीं है, हूँ, नहीं हूँ, हो, नहीं हो) । संयोजक सदैव वर्त्तमान काल में होता है । इनमें से तीन भावात्मक हैं और तीन निषेधात्मक हैं ।

I. संयोजक का कार्य है :
(a) तर्कवाक्य बनाना (b) वर्त्तमान काल का अर्थ देना
(c) उद्देश्य तथा विधेय के बीच सम्बन्ध स्थापित करना (d) उपर्युक्त सभी

II. संयोजक होते हैं :
(a) भावात्मक (b) निषेधात्मक
(c) दोनों (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

III. संयोजक होता है :
(a) उद्देश्य अंग (b) विधेय का अंग (c) तर्कवाक्य का अंग (d) उपर्युक्त सभी

अथवा,

I. बौद्ध दर्शन की ज्ञानमीमांसा निम्न प्रमाण का विवेचन करता है :
(a) प्रत्यक्ष (b) उपमान (c) शब्द (d) अनुमान

II. पूर्णव्यापी अभावात्मक तर्कवाक्य का पद व्याप्त होता है :
(a) उद्देश्य पद (b) विधेय पद (c) संयोजक (d) उपर्युक्त सभी

III. द्विविधा के भेद हैं :
(a) सरल विधायक द्विविधा (b) जटिल विधायक द्विविधा
(c) मिश्र न्याय (d) हेत्वाश्रित निरपेक्ष न्याय

SECTION–II

गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (NON-OBJECTIVE QUESTIONS)

लघुउत्तरीय प्रश्न (Short Questions) : **3 × 10 = 30**

निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 10 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इस कोटि के प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित हैं :

1. वैज्ञानिक विधि की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।
2. प्रेक्षण तथा प्रयोग की असमानताओं को स्पष्ट कीजिए ।
3. संयुक्त अन्वय व्यतिरेक विधि का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
4. प्राक् कल्पना के भेदों को लिखें ।
5. प्रमाण क्या है ? इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालें ।
6. तर्कशास्त्र में सत्यता तथा वैधता का तात्पर्य क्या है ?
7. पद की व्याप्त–अव्याप्त स्थिति को सभी तर्कवाक्यों के उदाहरण प्रस्तुत कर स्पष्ट करें ।
8. न्याय क्या है ? इसके बनावट को लिखिए ।
9. बौद्ध ज्ञानमीमांसा के सुव्यवस्थित प्रस्तोता–आचार्यों के नाम लिखें ।
10. प्रतिकात्मक तर्कशास्त्र में युक्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (Long Questions) : **5 × 6 = 30**

निर्देश : प्रश्न संख्या 11 से 15 तक के प्रत्येक छः अंक के हैं।

11. व्यतिरेक विधि को स्पष्ट कर इसके गुण–दोष को स्पष्ट कीजिए ।
12. तार्किक वाक्य क्या है ? यह व्याकरण वाक्य से किस प्रकार भिन्न है ?
13. चार्वाक अनुमान प्रमाण का खण्डन किस प्रकार करता है ? स्पष्ट कीजिए ।
14. सत्यता मूल्य के निर्धारण से सम्बन्धित मुख्य नियमों को लिखें ।
15. बौद्ध दर्शन के प्रत्यक्ष प्रमाण के भेदों को लिखिए ।

— : उत्तर : —

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (b)	2. (b)	3. (b)	4. (a)	5. (b)
6. (a)	7. (a)	8. (d)	9. (c)	10. (a)
11. (b)	12. (c)	13. (c)	14. (b)	15. (d)
16. (a)	17. (b)	18. (a)	19. (d)	20. (c)
21. (b)	22. (d)	23. (c)	24. (b)	25. (d)
26. (a)	27. (b)	28. (d)	29. (c)	30. (c)
31. (b)	32. (a)	33. (d)	34. (c)	35. I. (c), II. (c), III. (c)

35. Or, I. (a, d), II. (a, b), III. (a, b)

MODEL SET–III

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (OBJECTIVE QUESTIONS)

निर्देश : प्र॰ सं॰ 1 से 25 तक के प्रश्नों में चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है । सही विकल्प को उत्तर तालिका में चिह्नित करें । **1 × 25 = 25**

1. तर्कशास्त्र की विषय-वस्तु है-
   (a) प्रत्यक्ष (b) अनुमान (c) आस्था (d) आविष्कार
2. आकारिक सत्यता की स्थापना की विधि है-
   (a) निगमनात्मक (b) आगमनात्मक (c) संदेहात्मक (d) प्रदर्शनात्मक
3. तर्कशास्त्र है-
   (a) विज्ञान (b) कला (c) विज्ञान और कला (d) उपर्युक्त कोई नहीं।
4. किसी पद का स्वभावबोध (Connotation) सूचित करता है-
   (a) समान्य गुण (b) आवश्यक गुण
   (c) सामान्य और आवश्यक गुण (d) आकस्मिक गुण।
5. दो पदों के व्याघात-संबन्ध का अर्थ है-
   (a) दोनों एक साथ सत्य हैं (b) दोनों एक साथ असत्य हैं
   (c) दोनों एक साथ सत्य या असत्य नहीं हैं (d) उपर्युक्त कोई नहीं।
6. किसी तर्कवाक्य के अंग हैं-
   (a) उद्देश्य (b) विधेय (c) संयोजक (d) उपर्युक्त सभी
7. पूर्णव्यापी भावात्मक तर्कवाक्य है-
   (a) A (b) E (c) I (d) O
8. किसी न्याय (Syllogism) में वाक्यों की संख्या होती है-
   (a) दो (b) तीन (c) चार (d) पाँच
9. न्याय (Syllogism) के निष्कर्ष वाक्य का विधेय पद कहलाता है-
   (a) वृहद्पद (b) लघुपद (c) मध्यवर्ती पद (d) आकस्मिक पद
10. 'V' प्रतीक चिह्न है-
    (a) संयोजन (b) वियोजन (c) आपादान (d) उपर्युक्त कोई नहीं
11. यदि हेत्वाश्रित कथन के पूर्ववर्ती तथा अनुवर्ती वाक्यों का सत्यता मूल्य क्रमशः सत्य तथा असत्य हो, तो कथन होगा-
    (a) सत्य (b) असत्य (c) संदिग्ध (d) अवैध
12. भारतीय ज्ञान मीमांसा में संदेहपूर्ण ज्ञान कहलाता है-
    (a) प्रमा (b) अप्रमा (c) प्रमाण (d) उपमान
13. न्याय दर्शन कितने प्रमाण स्वीकार करता है ?
    (a) एक (b) दो (c) तीन (d) चार
14. वास्तविक व्यापक वाक्य की स्थापना का साधन है-
    (a) निगमन (b) आगमन (c) विश्लेषण (d) उपयुक्त सभी

15. आगमन का सार (Essence) कहलाता है-
(a) परिभाषा (b) वर्गीकरण (c) निरीक्षण (d) आगमनात्मक छलाँग

16. वैज्ञानिक तथा अवैज्ञानिक आगमन के भेद का मुख्य आधार है-
(a) निरीक्षण (b) प्रयोग (c) आगमनात्मक छलाँग (d) कारण-कार्य नियम

17. 'सभी हंस उजले होते हैं', यह उदाहरण है-
(a) पूर्ण आगमन का (b) वैज्ञानिक आगमन का
(c) सरल गणनात्मक आगमन का (d) वास्तविक ज्ञान का

18. प्रयोग की घटना होती है-
(a) प्राकृतिक (b) कृत्रिम (c) भौतिक (d) वास्तविक

19. 'आगमन का विरोधाभास' का संदर्भ है-
(a) प्रकृति समरूपपता नियम (b) कारण-कार्य नियम
(c) निरीक्षण (d) प्रयोग

20. विभिन्न घटनाओं की व्याख्या करने वाली एक कल्पना कहलाती है-
(a) निर्णायक कल्पना (b) निर्णायक प्रयोग (c) आगमनों का ऐक्य (d) यथार्थ कल्पना

21. कल्पना होती है-
(a) कर्त्ता सम्बन्धी (b) विधि-सम्बन्धी (c) परिस्थिति सम्बन्धी (d) उपर्युक्त सभी।

22. वैज्ञानिक आगमन के लिए मिल ने कितनी प्रयोगिक विधियाँ स्थापित की है ?
(a) तीन (b) चार (c) पाँच (d) छह

23. किस विधि में सिर्फ दो उदाहरण ही पर्याप्त होते हैं ?
(a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि (c) संयुक्त अन्वय-व्यतिरेक विधि(d) सहचारी-परिवर्त्तन विधि

24. कौन-सी विधि कारण-कार्य संबंध को प्रमाणित करने में सक्षम है-
(a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि (c) संयुक्त अन्वय-व्यतिरेक विधि (d) अवशेष विधि

25. कौन-सी विधि निगमन प्रधान विधि कही जाती है-
(a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि (c) संयुक्त अन्वय-व्यतिरेक विधि (d) अवशेष विधि

निर्देश : प्रश्न संख्या 26 से 30 तक दो वक्तव्य हैं । एक को 'कथन' A तथा दूसरे को कारण R कहा गया है । आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है तथा दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करना है।

$1 \times 5 = 5$

(a) यदि दोनों कथन सही हैं तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या है ।
(b) यदि दोनों कथन सही है तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या नहीं है ।
(c) यदि कथन–I सही है, तो कथन–II असत्य है ।
(d) यदि कथन–I असत्य है, तो कथन–II सही है ।

26. कथन–I : मिल द्वारा स्थापित अन्वय विधि एक मौलिक विधि है।
कथन–II : इसमें कारण से कार्य या कार्य से कारण की ओर बढ़ सकते हैं।

27. कथन–I : निरपेक्ष न्याय के कुल चार आकार होते हैं।
कथन–II : आधार वाक्यों में मध्यवर्ती पद के स्थान के अनुरूप न्याय के आकार बनते हैं।

28. कथन–I : सौत्रान्तिक मत बाह्यानुमेयवाद में विश्वास करता है।
कथन–II : सौत्रान्तिक मत के अनुसार वस्तुओं का यथार्थ प्रत्यक्ष होता है।

29. कथन–I : गुण के अनुसार दो प्रकार के तार्किक वाक्य होते हैं-पूर्णव्यापी तथा अंशव्यापी।
कथन–II : निषेधात्मक वाक्य अपने विधेय को अवश्य व्याप्त करते हैं।

30. कथन–I : दो पदों के बीच व्याघात-निषेध को घोर विरोध कहा जाता है।
कथन–II : दोनों पद एक साथ न तो सत्य हो सकते हैं, न असत्य।

निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 34 तक में दो कॉलम दिए गए हैं। दोनों कॉलम में मिलान करते हुए सही उत्तर लिखें।

$1 \times 4 = 4$

	कॉलम–I	**कॉलम–II**
31.	अनुमिति	(a) पशुत्व एवं विवेकशीलता
32.	व्यतिरेक विधि	(b) प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र
33.	मनुष्य	(c) अनुमान
34.	सत्यता–तालिका	(d) प्रयोग–आधारित

निर्देश : प्रश्न संख्या 35 में दिए गए उद्धरण को ध्यान से पढ़े और उसी के आधार पर दिए गए तीनों प्रश्नों का उत्तर विकल्प से चुनकर दें । **$2 \times 3 = 6$**

35. भारतीय ज्ञान मीमांसा में वास्तविक एवं सत्य ज्ञान को प्रमा कहा जाता है। ऐसे वास्तविक ज्ञान उत्पन्न या प्रदान करने वाले साधन प्रमाण कहे जाते हैं। उदाहरणस्वरूप न्याय दर्शन में अनुमिति, शाब्द, उपमिति, प्रमा हैं तो क्रमशः अनुमान, शब्द, उपमान प्रमाण हैं। स्मृति, संशय, भ्रम आदि अप्रमा की कोटि में आते हैं क्योंकि ये यथार्थ ज्ञान के परिचायक नहीं हैं। मीमांसा दर्शन न्याय द्वारा स्वीकृत चार प्रमाणों के अतिरिक्त अर्थापत्ति को भी मान्यता देता है। अर्थापत्ति वह आवश्यक कल्पना है जिसके द्वारा किसी अदृष्ट विषय की व्याख्या की जाती है।

I. प्रमा का अर्थ है

(a) यथार्थ ज्ञान (b) अथथार्थ ज्ञान (c) संशयपूर्ण ज्ञान (d) विश्वासपूर्ण ज्ञान

II. स्मृति है–

(a) प्रमा (b) अप्रमा (c) प्रमाण (d) उपर्युक्त कोई नहीं

III. मीमांसा दर्शन के अनुसार प्रमाणों की संख्या है–

(a) तीन (b) चार (c) पाँच (d) छह

अथवा, I. बौद्ध ज्ञान–मीमांसा में प्रमाण स्वीकारे गए हैं–

(a) प्रत्यक्ष (b) अनुमान (c) शब्द (d) उपमान

II. यदि आधार वाक्यों में अव्याप्त पद निष्कर्ष में व्याप्त होते हैं तो न्याय में दोष उत्पन्न होता है–

(a) अनुचित वृहद् पद का दोष (b) अनुचित लघु पद का दोष

(c) अव्याप्त मध्यवर्ती पद का दोष (d) चतुष्पद का दोष

III. निरीक्षण की भूले हैं–

(a) गलत देखने की भूल (b) उदाहरण को नहीं देखने की भूल

(c) आवश्यक परिस्थिति नहीं देखने की भूल (d) अस्पष्टता की भूल

SECTION–II

गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (NON-OBJECTIVE QUESTIONS)

लघुउत्तरीय प्रश्न (Short Questions) : **$3 \times 10 = 30$**

निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 10 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इस कोटि के प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित हैं :

1. 'तर्कशास्त्र सृजनात्मक नहीं, परिशोधनात्मक है।' स्पष्ट करें।
2. पदों के व्यक्तिबोध (Denotation) तथा स्वभावबोध (Connotation) को स्पष्ट करें।
3. सरल गणनात्मक आगमन क्या है ? इसे अवैज्ञानिक आगमन क्यों कहा जाता है ?

4. 'पूर्ण आगमन' से आप क्या समझते हैं ?

5. पदों का विरोध क्या है ? स्पष्ट करें।

6. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र की उपयोगिता स्पष्ट करें।

7. बौद्ध दर्शन में प्रत्यक्ष सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रमाण क्यों है ? स्पष्ट करें।

8. 'आगमन के विरोधाभास' की व्याख्या करें।

9. यथार्थ प्राक्कल्पना की शर्तों को स्पष्ट करें।

10. उपमान प्रमाण की व्याख्या करें।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (Long Questions) :

निर्देश : प्रश्न संख्या 11 से 15 तक के प्रत्येक छः अंक के हैं। **5 × 6 = 30**

11. चार्वाक दर्शन प्रत्यक्ष को ही एकमात्र प्रमाण क्यों मानता है ? विवेचना करें।

12. यदि न्याय का कोई एक आधार वाक्य निषेधात्मक हो तो निष्कर्ष अवश्य निषेधात्मक होगा। प्रमाणित करें।

13. न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष तथा इसके प्रकारों की व्याख्या करें।

14. वैज्ञानिक आगमन की विधियों की स्पष्ट व्याख्या करें।

15. 'कारण कारणवंशों का योग होता है।' इस कथन की सोदाहरण व्याख्या करें।

— : उत्तर : —

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (b)	2. (a)	3. (c)	4. (c)	5. (c)
6. (d)	7. (a)	8. (b)	9. (a)	10. (b)
11. (b)	12. (b)	13. (d)	14. (b)	15. (d)
16. (d)	17. (c)	18. (b)	19. (a)	20. (c)
21. (d)	22. (c)	23. (b)	24. (b)	25. (d)
26. (b)	27. (a)	28. (c)	29. (d)	30. (a)
31. (c)	32. (d)	33. (a)	34. (b)	

35. I. (a) &(b), II. (a) & (b), III. (c) 35. I. (a), II. (b), III. (c)

MODEL SET—IV

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (OBJECTIVE QUESTIONS)

निर्देश : प्र॰ सं॰ 1 से 25 तक के प्रश्नों में चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है । सही विकल्प को उत्तर तालिका में चिह्नित करें । **1 × 25 = 25**

1. तर्कशास्त्र का स्वरूप है–
   (a) सृजनात्मक (b) उपरिशोधात्मक (c) समन्वयात्मक (d) उपर्युक्त सभी
2. युक्ति होती है-
   (a) सत्य या वैध (b) असत्य या अवैध (c) सत्य या असत्य (d) वैध या अवैध
3. यदि आधारवाक्य सत्य, परन्तु निष्कर्ष वाक्य असत्य हो, तो युक्ति होगी–
   (a) सत्य (b) असत्य (c) वैध (d) अवैध
4. जाति और उपजाति के बीच सम्बन्ध है–
   (a) मेल का (b) विरोध का (c) मेल अथवा विरोध का (d) मेल तथा विरोध का
5. अंशव्यापी निषेधात्मक वाक्य है–
   (a) A (b) E (c) I (d) O
6. A तर्कवाक्य में व्याप्त होता है–
   (a) उद्देश्य पद (b) विधेय पद (c) मध्यवर्ती पद (d) उपर्युक्त कोई नहीं।
7. किसी न्याय (Syllogism) में पदों की कुल संख्या होती है–
   (a) दो (b) तीन (c) चार (d) छह
8. न्याय (Syllogism) के वैध आकारों की संख्या है–
   (a) दो (b) तीन (c) चार (d) छह
9. प्रतीक चिह्न है –
   (a) संयोजन का (b) वियोजन का (c) आपदान का (d) निषेध का
10. भारतीय ज्ञानमीमांसा में सत्य तथा असंदिग्ध ज्ञान कहलाता है–
    (a) प्रमा (b) अप्रमा (c) तर्क (d) आप्त वचन
11. बौद्ध दर्शन में कितने प्रमाण स्वीकार किए गए हैं–
    (a) एक (b) दो (c) तीन (d) चार
12. चार्वाक दर्शन के अनुसार प्रमाणों की संख्या है–
    (a) दो (b) तीन (c) चार (d) उपर्युक्त कोई नहीं।
13. 'निर्विकल्पक' तथा 'सविकल्पक' का संदर्भ है–
    (a) प्रत्यक्ष (b) अनुमान (c) शब्द (d) उपमान
14. चार्वाक दर्शन का आधार है–
    (a) तत्वमीमांसा (b) ज्ञानमीमांसा (c) नीतिमीमांसा (d) तर्कशास्त्र
15. अवैज्ञानिक आगमन के कारक हैं–
    (a) समान एवं अखंडित अनुभव (b) प्रकृति समरूपता
    (c) आगमनात्मक छलाँग (d) उपर्युक्त सभी।

16. वैज्ञानिक आगमन में कौन-सी क्रिया नहीं होती है ?
(a) परिभाषा (b) निरीक्षण (c) पूर्ण गणना (d) सामान्यीकरण

17. सरलगणनात्मक आगमन को वैज्ञानिक आगमन का रूप देता है-
(a) आतामनात्मक छलाँग (b) सामान्यीकरण (c) प्रकृतिसमरूपता नियम (d) कारण-कार्य नियम

18. आगमन का आकारिक आधार है-
(a) विश्लेषण (b) निरीक्षण (c) प्रयोग (d) कारण-कार्य नियम।

19. निरीक्षण तथा प्रयोग में भेद है-
(a) गुणात्मक (b) मात्रात्मक (c) क्रियात्मक (d) उपर्युक्त कोई नहीं।

20. कल्पना को प्रमाणित करने की विधि है-
(a) साक्षात् विधि (b) परोक्ष विधि (c) साक्षात् एवं परोक्ष विधि (d) सूक्ष्म विधि

21. अयथार्थ कल्पना होती है-
(a) अस्पष्ट (b) अनिश्चित (c) अतार्किक (d) उपर्युक्त सभी।

22. वैज्ञानिक आगमन तथा सरलगणनात्मक आगमन के सामान्य तत्व हैं-
(a) निरीक्षण (b) प्रकृति समरूपता नियम (c) आगमनात्मक छलाँग (d) उपर्युक्त सभी।

23. कौन-सी विधि मूलत: प्रयोग आधारित विधि है ?
(a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि (c) संयुक्त विधि (d) अवशेष विधि

24. कौन-सी विधि गुणात्मक परिवर्तन वाली घटना के लिए उपयुक्त नहीं है ?
(a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि (c) सहचारी परिवर्तन-विधि (d) अवशेष विधि

25. किस विधि को 'खोज की विधि' की संज्ञा दी गई है ?
(a) अन्वय विधि (b) व्यतिरेक विधि (c) संयुक्त विधि (d) सहचारी परिवर्तन विधि

निर्देश : प्रश्न संख्या 26 से 30 तक दो वक्तव्य हैं । एक को 'कथन' A तथा दूसरे को कारण R कहा गया है । आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है तथा दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करना है।

$1 \times 5 = 5$

(a) यदि दोनों कथन सही हैं तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या है ।
(b) यदि दोनों कथन सही है तो कथन–II कथन–I की सही व्याख्या नहीं है ।
(c) यदि कथन–I सही है, तो कथन–II असत्य है ।
(d) यदि कथन–I असत्य है, तो कथन–II सही है ।

26. कथन–I : तर्कवाक्य सत्य अथवा असत्य होते हैं।
कथन–II : युक्ति वैध या अवैध होती है।

27. कथन–I : वैज्ञानिक आगमन के निष्कष्र अन्य आगमनात्मक निष्कर्षों की अपेक्षा सुदृढ़ एवं यथार्थ होते हैं।
कथन–II : वैज्ञानिक आगमन का एक महत्त्वपूर्ण श्आधार काण-कार्य नियम है।

28. कथन–I : यथार्थ कल्पना को साधारणत: पूर्णस्थापित सत्यों के विरुद्ध नहीं होना चाहिए।
कथन–II : समस्त वैज्ञानिक सिद्धान्त इसी नियम के अनुरूप हैं।

29. कथन–I : व्यतिरेक विधि निरीक्षण पर आधारित विधि है।
कथन–II : यह विधि कारण-कार्य संबंध को प्रमाणित करने में समर्थ है।

30. कथन–I : चार्वाक दर्शन सिर्फ एक पमाण को स्वीकार करता है।
कथन–II : चार्वाक के अनुसार प्रत्यक्ष के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रमाण को सिद्ध नहीं किया जा सकता है

निर्देश : प्रश्न संख्या 31 से 34 तक में दो कॉलम दिए गए हैं। दोनों कॉलम में मिलान करते हुए सही उत्तर लिखें।

1 × 4 = 4

	कॉलम–I		**कॉलम–II**
31.	प्राक्कल्पना	(a)	कारण
32.	पूर्ण आगमन	(b)	प्रमा
33.	कारणांश	(c)	निर्णायक प्रयोग
34.	यथार्थ ज्ञान	(d)	अवैज्ञानिक

निर्देश : प्रश्न संख्या 35 में दिए गए उद्धरण को ध्यान से पढ़े और उसी के आधार पर दिए गए तीनों प्रश्नों का उत्तर विकल्प से चुनकर दें । **2 × 3 = 6**

35. किसी न्याय (Syllogism) में केवल तर्कवाक्य होते हैं जो क्रमशः वृहद् वाक्य, लघु वाक्य तथा निष्कर्ष वाक्य कहे जाते हैं। न्याय में तीन पद भी होते हैं। निष्कर्ष वाक्य के विधेय पद तथा अद्येश्य पद क्रमशः वृहद् पद एवं लघु पद कहलाते हैं। वह तीसरा पद जो दोनों आधार वाक्य में तो उपस्थित रहता है, परन्तु निष्कर्ष वाक्य में अनुपस्थित रहता है, मध्यवर्ती पद कहलाता है। मध्यवर्ती पद दोनों आधार वाक्यों में चार संभावित स्थानों पर स्थित हो सकता है। इसी के अनुरूप न्याय के चार आकार हो जाते हैं। उदाहरणार्थ यदि मध्यवर्ती पद न्याय के दोनों आधार वाक्यों के उद्येश्य के स्थान पर होता है, तो वह न्याय का तीसरा आकार होता है।

I. न्याय (Syllogism) के आकार होते हैं–
   (a) वृहद् पद के अनुरूप (b) लघु पद के अनुरूप
   (c) मध्यवर्ती पद के अनुरूप (d) निष्कर्ष के अनुरूप

II. निष्कर्ष वाक्य का उद्येश्य पद कहलाता है–
   (a) लघुपद (b) वृहद् पद
   (c) मध्यवर्ती पद (d) उपर्युक्त कोई नहीं।

III. न्याय के तीरे आकार में मध्यवर्ती पद का स्थान है–
   (a) वृहद्वाक्य का उद्येश्य (b) लघु वाक्य का विधेय
   (c) वृहद् वाक्य का विधेय (d) उपर्युक्त कोई नहीं।

अथवा, I. न्याय में वाक्य होते हैं–
   (a) वृहद् वाक्य (b) लघु वाक्य (c) निष्कर्ष वाक्य (d) संभावित वाक्य

II. किसी घटना का कारण स्वरूपतः होता है–
   (a) नियत (b) अनौपधिक (c) पूर्ववर्ती (d) सहकारी

III. उद्देश्य के अनुरूप अनुमान होता है–
   (a) स्वार्थानुमान (b) परार्थानुमान (b) सबलानुमान (d) क्रियार्थानुमान

SECTION–II

गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (NON-OBJECTIVE QUESTIONS)

लघुउत्तरीय प्रश्न (Short Questions) : **3 × 10 = 30**

निर्देश : प्रश्न संख्या 1 से 10 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इस कोटि के प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित हैं :

1. निर्णायक प्रयोग की व्याख्या करें।
2. अन्वय विधि की स्पष्ट व्याख्या करें।
3. बौद्ध-दर्शन के 'बह्मानुमेयवाद' की व्याख्या करें।

4. साधारण तथा तार्किक वाक्य के भेद स्पष्ट करें।
5. सविकल्पक तथा निर्विकल्पक प्रत्यक्ष के भेद स्पष्ट करें।
6. न्याय के अनुसार स्वार्थानुमानक एवं परार्थानुमान की व्याख्या करें।
7. मिल की प्रायोगिक विधियाँ-वहिष्करण की विधियाँ क्यों कहीं जाती हैं ?
8. निरीक्षण क्या है ? स्पष्ट करें ?
9. p.q के लिए सत्यता तालिका का निर्माण करें।
10. निम्नांकित वाक्यों के तार्किक रूप लिखें-
    (a) सभी विद्यार्थी मूख नहीं होते हैं। (All students are not stupid.)
    (b) भारतीय साधारणतया धार्मिक होते हैं। (Indians are generally religious.)
    (c) एक को छोड़कर सभी यात्री बच निकले हैं। (All passengers except one have escaped inhurt.)

दीर्घउत्तरीय प्रश्न (Long Questions) :

निर्देश : प्रश्न संख्या 11 से 15 तक के प्रत्येक छः अंक के हैं। **5 × 6 = 30**

11. ब्राह्यानुमेयवाद और बाह्य-प्रत्यक्षवाद की तुलनात्मक व्याख्या बौद्ध ज्ञानमीमांसा के संदर्भ में करें।
12. न्याय दर्शन के अनुरूप पंचावयव न्याय की सोदाहरण व्याख्या करें।
13. व्यतिरेक विधि के गुण और दोषों की विवेचना करें।
14. न्याय के द्वितीय आकार के संदर्भ में सिद्ध करें कि-
    (a) वृहद् वाक्य को अवश्य पूर्णव्यापी होना चाहिए।
    (b) आधार वाक्यों में से एक को अवश्य निषेधात्मक होना चाहिए।
15. गुण तथ परिणाम के अनुसार तर्कवाक्यों के वर्गीकरण को सोदाहरण समझाइये तथा इनमें पदों की व्याप्ति को भी स्पष्ट कीजिए।

— : उत्तर : —

SECTION–I

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (b)	2. (d)	3. (d)	4. (a)	5. (d)
6. (a)	7. (b)	8. (c)	9. (c)	10. (a)
11. (b)	12. (d)	13. (a)	14. (b)	15. (d)
16. (c)	17. (d)	18. (d)	19. (b)	20. (b)
21. (d)	22. (d)	23. (b)	24. (c)	25. (d)
26. (b)	27. (a)	28. (b)	29. (d)	30. (a)
31. (c)	32. (d)	33. (a)	34. (b)	

35. I. (a), (b) & (c), II. (a), (b) & (c), III. (a) & (b) 35. I. (c), II. (a), III. (d)

OMR ANSWER SHEET OMR उत्तर पत्र
परीक्षा 2009

OMR NO.

Instructions :

1. All entries should be confined to the area provided.
2. In the OMR Answer Sheet the Question Nos. progress from top to bottom.
3. For marking answers, use BLACK/BLUE BALL POINT PEN ONLY.
4. Mark your Roll No. Roll Code No. Name of Exam. Centre in the boxes/space provided in the OMR Answer Sheet.
5. Fill in your Name, Signature, Subject, Date of Exam, in the space provided in the OMR Answer Sheet.
6. Mark your Answer by darkening the CIRCLE completely, like this.

Correct Method Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

Wrong Methods
Ⓐ ◓ Ⓒ Ⓓ
Ⓐ ◐ Ⓒ Ⓓ
Ⓐ ◒ Ⓒ Ⓓ

7. Do not fold or make any stray marks in the OMR Answer Sheet.
8. If you do not follow the instructions given above, it may be difficult to evaluate the Answer Sheet. Any resultant loss on the above account i.e. not following the instructions completely shall be of the candidates only.

निर्देश :

1. सभी प्रविष्टियाँ दिये गये स्थान तक ही सीमित रखें।
2. OMR उत्तर पत्र में प्रश्न संख्या क्रमश: ऊपर से नीचे की ओर दी गई है।
3. उत्तर केवल काले/नीले बॉल प्वाइंट पेन द्वारा चिह्नित करें।
4. अपना रोल नं॰ रोल कोड नं॰, परीक्षा केन्द्र का नाम OMR उत्तर पत्र से निर्दिष्ट खाली/स्थानों में/पर लिखें।
5. OMR उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान पर अपना नाम, हस्ताक्षर, विषय परीक्षा का दिनांक की पूर्ति करें।
6. अपने उत्तर के घेरे का पूर्ण रूप से प्रगाढ़ करते हुए चिह्नित करें।

सही विधि Ⓐ ● Ⓒ Ⓓ

गलत विधियाँ
Ⓐ ◓ Ⓒ Ⓓ
Ⓐ ◐ Ⓒ Ⓓ
Ⓐ ◒ Ⓒ Ⓓ

7. OMR उत्तर पत्र को न मोड़ें अथवा उस पर जहाँ–तहाँ चिह्न न लगाएँ।
8. ऊपर दिये गये निर्देशों का पालन न किए जाने की स्थिति में उत्तर पत्रों का मूल्यांकन करना कठिन होगा। ऐसे में नतीजे की दृष्टि से किसी भी प्रकार की क्षति का जिम्मेदार केवल परीक्षार्थी होगा।

1. Name (in BLOCK letters) / नाम (छापे के अक्षर में)
2. Date of Exam / परीक्षा की तिथि
3. Subject / विषय
4. Name of the Exam Centre / परीक्षा केन्द्र का नाम
5. Full Signature of Candidate / परीक्षार्थी का पूर्ण हस्ताक्षर
6. Invigilator's Signature / निरीक्षक का हस्ताक्षर

7. Roll Code/ रोल कोड

0	0	0	0
1	1	1	1
2	2	2	2
3	3	3	3
4	4	4	4
5	5	5	5
6	6	6	6
7	7	7	7
9	9	9	9

8. Roll Number/ रोल सं0

0	0	0	0
1	1	1	1
2	2	2	2
3	3	3	3
4	4	4	4
5	5	5	5
6	6	6	6
7	7	7	7
9	9	9	9

For answering darken the circles given below / उत्तर के लिए नीचे अंकित घेरे को प्रगाढ़ करें।

1.	A	B	C	D
2.	A	B	C	D
3.	A	B	C	D
4.	A	B	C	D
5.	A	B	C	D
6.	A	B	C	D
7.	A	B	C	D
8.	A	B	C	D
9.	A	B	C	D
10.	A	B	C	D
11.	A	B	C	D
12.	A	B	C	D
13.	A	B	C	D
14.	A	B	C	D
15.	A	B	C	D
16.	A	B	C	D
17.	A	B	C	D
18.	A	B	C	D
19.	A	B	C	D
20.	A	B	C	D
21.	A	B	C	D
22.	A	B	C	D
23.	A	B	C	D
24.	A	B	C	D
25.	A	B	C	D
26.	A	B	C	D
27.	A	B	C	D
28.	A	B	C	D
29.	A	B	C	D
30.	A	B	C	D
31.	A	B	C	D
32.	A	B	C	D
33.	A	B	C	D
34.	A	B	C	D
35. I.	A	B	C	D
II.	A	B	C	D
III.	A	B	C	D
Or, I.	A	B	C	D
II.	A	B	C	D
III.	A	B	C	D